न्यूज डायरी

बीच सड़क यूएन की कार में सेक्स पर बवंडर, विडियो वायरल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। इजरायल के तेल अवीव में संयुक्त राष्ट्र की कार में सेक्स करते हुए एक कपल का विडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद संयुक्त राष्ट्र ने इसकी जांच शुरू कर दी है। वहीं संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी इस घटना की निंदा की है। अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि कार में सेक्स कर रहा व्यक्ति संयुक्त राष्ट्र का कोई अधिकारी है या नहीं। वायरल विडियो में संयुक्त राष्ट्र की कार के बीच की सीट पर लाल रंग की ड्रेस पहने एक महिला किसी व्यक्ति के साथ सेक्स करती दिखाई दे रही है। क्लिप में आगे की सीट पर एक और आदमी बैठा दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार की प्लेट संयुक्त राष्ट्र ट्रूस पर्यवेक्षण संगठन की है। विडियो के वायरल होने के बाद संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि यह घटना संयुक्त राष्ट्र को हैरान और परेशान करने वाली है।

नवाज शरीफ के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक और मामला दायर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। पाकिस्तान के भ्रष्टाचार रोधी निकाय ने भूमि संबंधी एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, जांगधजियो मीडिया समूह के मालिक मीर शकीलुर रहमान और दो अन्य के खिलाफ लाहौर की जवाबदेही अदालत में भ्रष्टाचार का मामला दायर किया है। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने अपने प्रमुख न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) जावेद इकबाल से मंजूरी मिलने के बाद मामला दायर किया। इस मामले में दो अन्य संदिग्ध लाहौर विकास प्राधिकरण (एलडीए) के पूर्व निदेशक हुमायूं फैज रसूल और पूर्व निदेशक (भूमि) मियां बशीर हैं। जवाबदेही अदालत ने सभी प्रतिवादियों को 29 जून के लिए नोटिस जारी किए हैं। ऐसा आरोप है कि 1986 में जब शरीफ पंजाब के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने नियमों का उल्लंघन कर मीर शकीलुर रहमान को लाहौर में 54 कनाल भूमि आवंटित की। रहमान को 12 मार्च को एनएबी ने गिरफ्तार किया था जिसके बाद से वह न्यायिक रिमांड पर हैं।

गाजा पट्टी से दक्षिण इजराइल में दो रॉकेट दागे गए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) गाजा सिटी। इजराइल की सेना ने कहा कि गाजा पट्टी से फलस्तीनी उग्रवादियों ने दक्षिण इजराइल में शुक्रवार को दो रॉकेट दागे। इस हमले ने बीते कुछ महीनों से चल रही शांति को भंग कर दिया है। इस हमले के जवाब में इजराइल के विमानों ने गाजा में काबिज इस्लामिक समूह हमास के दो सैन्य ठिकानों पर हमला किया। दोनों ओर से किए गए हमलों में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रॉकेट हमले की जिम्मेदारी अभी किसी फलस्तीनी उग्रवादी समूह ने नहीं ली है। इस साल गाजा–इजराइल के बीच आमतौर पर शांति रही। कोरोना वायरस का खतरा भी इसकी एक वजह है।

चीन की घातक पनडुब्बियों के निशाने पर हिंद महासागर, भारत की बढ़ेगी टेंशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। अमेरिका, भारत, जापान समेत अन्य पड़ोसी देशों के साथ चल रहे तनाव के बीच चीन की नौसेना बहुत तेजी से अपनी वैश्विक क्षमता को बढ़ा रही है। माना जा रहा है कि साउथ चाइना सी पर कब्जा करने के बाद चीनी नौसेना का एक बड़ा लक्ष्य हिंद महासागर हो सकता है। अगर इस क्षेत्र में चीनी पनडुब्बियां बिना किसी की नजर में आए पहुंचती हैं तो उसका खासा असर हो सकता है। इन पनडुब्बियों को जिबूती और ग्वादर में बन रहे चीनी नौसैनिक अड्डे से भी मदद मिल सकती है। अमेरिकी पत्रिका फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के नजरिए से देखा जाए तो यहां पनडुब्बियां तैनात करने से वह जंग के हालात में समुद्री परिवहन आसानी से जारी रख सकेगा। अगर चीन ऐसा करता है तो दुनिया के दूसरे देशों, खासकर भारत के लिए चिंता का कारण हो सकता है। फिलहाल भारत के पास दक्षिण एशिया में सबसे बड़ा पनडुब्बी बेड़ा है। हाल के वक्त में चीन की सैन्य आक्रामकता को देखते हुए दुनिया उसकी नौसैनिक ताकत के विस्तार को लेकर चिंतित है। अमेरिका ने अपनी नेवी एशिया की ओर भेजना शुरू कर दिया है।

पैंगोंग झील के किनारे मोर्चेबंदी कर रहा चीन

भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने को लेकर गंभीर नहीं चीन

चाल

■झील के किनारे से चीन का वापस जाने का इरादा नही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। लद्दाख में चीनी आक्रामकता के कारण एलएसी पर हालात दिन प्रतिदिन बदतर होते जा रहे रहे हैं। एक तरफ चीन सीमावर्ती इलाके में शांति के लिए भारत के साथ बातचीत कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ उसकी आर्मी पैंगोग झील इलाके में पक्की सड़क और बंकर बनाने के बाद अब हेलिपैड का निर्माण कर रही है। चीन के इस दोहरे चाल से सतर्क भारत ने भी एलएसी से लगे क्षेत्रों में सेना का मिरर डिप्लॉयमेंट (जितने चीनी सैनिक और हथियार उतने भारत के भी) कर दिया है।

झील के किनारे अचानक चीन ने बढ़ाए सैनिक: पैंगोंग झील के फिंगर फोर इलाके में चीनी सैनिकों की संख्या में अचानक वृद्धि से ड्रैगन के इरादों पर संदेह पैदा हो रहा है। यहां पर स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि भारत और चीन की सेना के टैंट के बीच का अंतर 400 मीटर से भी कम है। दोनों देशों के सैनिक अग्रिम मोर्चे पर तैनात जवानों को आसानी से देख पा रहे हैं।

चीन का पीछे हटने का इरादा नहीं सूत्रों के अनुसार, चीनी सेना का गश्ती दल अब फिंगर 3 के इलाके में छोटे–छोटे बंकर बना रहे हैं। वे अब भी भारतीय पेट्रोलिंग पार्टी को फिंगर 2 एरिया में वापस जाने के लिए कह रहे हैं। फिंगर 4 एरिया में चीन पहले ही कई बंकर और कच्ची सड़क को पक्की करने में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, चीनी सेना का यहां से पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। वे इस इलाके से सेना के डी–एस्केलेशन पर चर्चा करने के लिए इच्छुक भी नहीं हैं।

8 किलोमीटर के इलाके पर चीन का कब्जा!: चीनी सैनिकों ने पैंगोंग सो के करीब 8 किलोमीटर लंबे इलाके पर कब्जा कर रखा है। मई की शुरुआत में यहां कदम रखने वाले चीनियों ने डिफेंस स्ट्रक्चर्स और बंकर तक तैयार कर लिए हैं। झील के उत्तरी किनारे पर फिंगर 4 से 8 के बीच ऊंचाई वाले इलाकों पर पीएलए के सैनिक मौजूद हैं। जब अन्य इलाकों– गलवान घाटी और हॉट स्प्रिंग्स को लेकर भारत–चीन में बातचीत होती रही, चीन ने यहां पर अपनी मौजूदगी बढ़ा दी है।

पैंगोंग झील का मसला बेहद गंभीर पैंगोंग त्सो के उत्तरी किनारे पर मई के शुरुआती हफ्ते में करीब 13,900 फीट की ऊंचाई पर चांगला पास के नजदीक 5–6 मई को दोनों तरफ के जवान टकरा गए थे। इसके बाद से, चीनी सैनिक भारतीय जवानों को फिंगर 4 से पूर्व में नहीं जाने दे रहे। एक सीनियर ऑफिसर के मुताबिक, ष्भारतीय सेना के सारे मैप दिखाते हैं कि स्।ः फिंगर 8 पर उत्तर से दक्षिण की ओर जाती है। फिंगर 3 और 4 के बीच सालों से एलएसी की पोस्ट है। लेकिन पिछले महीने से ही फिंगर 4–8 के बीच चीन ने जो कब्जा कर रखा है, पीएलए उसपर बात नहीं करना चाहती।

टीचर ने बनाए 160 छात्राओं के अश्लील स्कर्ट विडियो, अब जेल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिंगापुर। सिंगापुर में एक टीचर के ऊपर छात्राओं के 160 से ज्यादा अपस्कर्ट विडियो बनाने का आरोप लगा है। मामले का खुलासा होने के बाद 47 साल के टीचर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 23 जून को इस टीचर पर महिलाओं के निजता का अपमान करने और समाज में अश्लीलता फैलाने का आरोप लगाया गया है।

चैनल न्यूज एशिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों की पहचान छिपाने के लिए संबंधित स्कूल का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने अप्रैल 2015 से जुलाई 2018 के बीच लड़कियों के 168 अपस्कर्ट विडियो रिकॉर्ड किए थे। इसमें से कुछ विडियो इसने वायरल भी किया था।

2015 से 2018 के बीच बनाए विडियो: अप्रैल से अक्टूबर 2015 के बीच आरोपी ने आठ लड़कियों के 15 से अधिक बार अपस्कर्ट विडियो बनाया। इसके अलावा जून 2016 में आरोपी ने दूसरी आठ लड़कियों के नौ विडियो रिकॉर्ड किए। वहीं, 2017 में जुलाई से नवंबर के बीच 32 महिलाओं की कुल 105 ऐसी क्लिप कथित रूप से रिकॉर्ड की गई।

1 साल की जेल और जुर्माने का प्रावधान: जनवरी से जुलाई 2018 के बीच आरोपी ने 21 महिलाओं के 39 विडियो को फिल्माया था।

नौजवानों को ज्यादा निशाना बना रहा कोरोना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। दुनियाभर में लगभग 1 करोड़ लोगों को संक्रमित कर चुका कोरोना वायरस नौजवानों को सबसे ज्यादा संख्या में अपना शिकार बना रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका इजरायल और पुर्तगाल समेत दुनिया के कई देशों में कोरोना वायरस 40 से कम उम्र के लोगों को तेजी से संक्रमित कर रहा है। अमेरिका में कोरोना वायरस का डेटा विश्लेषण कर वैज्ञानिकों ने बताया है कि फ्लोरिडा, टेक्सास और एरिजोना समेत कई राज्यों में कम उम्र के लोग बुजुर्गों की तुलना में जल्दी संक्रमित हो रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि कम उम्र के लोगों ने लॉकडाउन खुलने के बाद कोरोना वायरस से बचाव संबंधी उपायों का पालन करने में ज्यादा लापरवाही दिखाई है।

एफएटीएफ ग्रे लिस्ट की खबरों पर भड़का पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे लिस्ट में खुद को बरकरार रखने की खबरों को खारिज कर दिया है। उसने भारतीय मीडिया की खबरों को फर्जी करार देते हुए कहा कि एफएटीएफ की डिजिटल बैठक में कोई फैसला नहीं लिया गया। पाकिस्तानी विदेश विभाग ने कहा कि भारतीय मीडिया ने झूठी खबर चलाई जिसपर भारत के विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी।

गुरुवार को एफएटीएफ ने लिया था फैसला: बता दें कि पेरिस की संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने बुधवार को अपनी पूर्ण बैठक के अंतिम दिन तय किया

पाक बोला– डिजिटल बैठक में नहीं हुआ कोई फैसला

कि पाकिस्तान को ग्रे सूची में ही रहने दिया जाए। पाक पर आरोप है कि वह लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों को मिलने वाले धन पर रोक लगाने में असफल रहा है।

भारत ने दी थी प्रतिक्रिया भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने बृहस्पतिवार को कहा था कि एफएटीएफ की ग्रे सूची में पाकिस्तान का बरकरार रहना हमारे रूख की पुष्टि करता है कि उसने अपनी धरती से गतिविधियां चलाने वाले आतंकवादी संगठनों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। विदेश मंत्रालय की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान के विदेश विभाग ने कहा कि भारत के अधिकारी भारतीय मीडिया में आयी झूठी खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

2018 में डाला गया था ग्रे सूची में: पाकिस्तान को जून 2018 में ग्रे सूची में डाला था। अक्टूबर 2018 और फरवरी 2019 में हुए रिव्यू में भी पाक को राहत नहीं मिली थी। पाक एफएटीएफ की सिफारिशों पर काम करने में विफल रहा है। इस दौरान पाकिस्तान में आतंकी संगठनों को विदेशों से और घरेलू स्तर पर आर्थिक मदद मिली है। एफएटीएफ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली को दुरुपयोग से बचाने के लिए राष्ट्रीय स्तर की कमजोरियों की पहचान करने के लिए काम करता है।

भारत से तनाव के लिए ओली जिम्मेदार, प्रचंड ने साधा नेपाली पीएम पर निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कुर्सी पर खतरे के बादल मडराने लगे हैं। सत्ताधारी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की स्थायी समिति की बैठक के अंतिम दिन इस्तीफे की मांग के डर से पीएम ओली शामिल नहीं हुए। जिसके बाद पार्टी के चेयरमैन पुष्प कमल दहल प्रचंड और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पीएम ओली की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक कदम बताया। जिस पार्टी ने नेपाल के मानचित्र में संशोधन को लेकर पीएम ओली की तारीफों के पुल बांधे थे उसी ने उन्हें सबसे विफल प्रधानमंत्री करार दिया।

शुक्रवार को बैठक के आखिरी दिन भारत–नेपाल सीमा विवाद को लेकर चर्चा की गई। जिसमें स्थायी समिति के सभी सदस्यों ने भारत के साथ कूटनीतिक वार्ता में विफल रहने को लेकर ओली प्रशासन की आलोचना की। पार्टी ने आरोप लगाया कि पीएम ओली के कार्यकाल में भारत–नेपाल के संबंध सबसे ज्यादा निचले स्तर पर पहुंचे हैं। बैठक में नेपाल में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने में ओली सरकार के फेल होने का आरोप भी लगाया गया।